AEP STUDY CIRCLE

IIT-NEET-CBSE

ACCENTS EDUCATIONAL PROMOTERS

23 YEARS OF LEGACY

HINDI - A

CBSE-X

MOCK - TEST

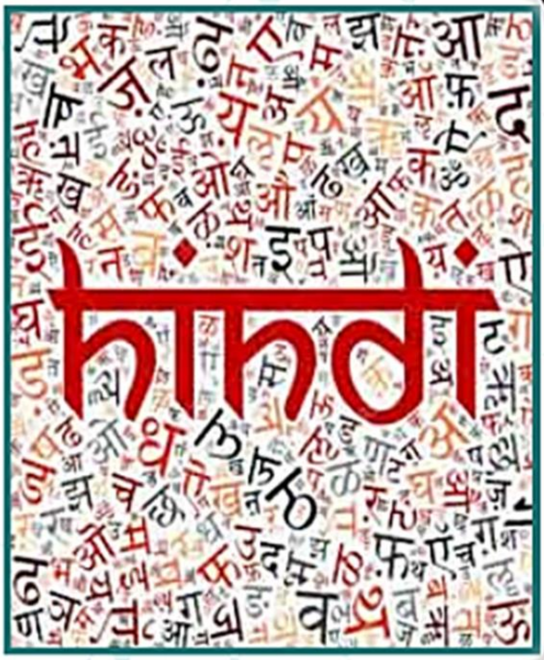

आगामी CBSE 10वीं कक्षा हिंदी परीक्षा के लिए हमारे विशेषित मॉक टेस्ट के साथ तैयारी करें, जो आपकी समझ का मूल्यांकन करने, मुख्य अवधारणाओं को मजबूत करने और आगामी परीक्षा के लिए आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है।

NEET IIT-JEE CBSE

OFFLINE-ONLINE LEARNING ACADEMY

The Success Destination

Prepare for success in CBSE Class 10 Hindi with the Mock Test. Order now to elevate your proficiency and approach your exams with confidence and assurance!

+91-9939586130
+91-7739650505

2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122-JH

HINDI - A
CBSE-X

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र - 1
कक्षा – दसवीं (2023-24)
हिंदी -अ (कोड 002)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और ख'। खंड-क में वस्तुपरक/बहुविकल्पी और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
2. प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।
4. खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 44 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
5. खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

बाल मज़दूरी हमारे देश के लिए एक अक्षम्य अपराध है। देश में आज न जाने कितने बच्चे बाल मज़दूरी कर रहे हैं, क्या उन्हें हमारी तरह जीने का अधिकार नहीं है? राजेश जोशी ने बड़े ही मार्मिक तरीके से 'बाल-श्रमिक' के ऊपर करुण रस की कविता लिखी है। उनका कहना है 'बच्चे काम पर जा रहे हैं सुबह-सुबह' अर्थात् पढ़ाई-लिखाई छोड़कर बच्चे मज़दूरी करने काम पर जा रहे हैं। क्या उनके जीवन में खेल का मैदान नहीं है? क्या उनके लिए पुस्तकालय और पाठशाला नहीं हैं? इस तरह के भाव-बोध और पीड़ा-बोध से रचित राजेश जोशी की कविता आधुनिक सभ्य समाज के ऊपर एक प्रकार का व्यंग्य भी प्रस्तुत करती है।
वैश्विक स्तर पर शांति के लिए वर्ष 2014 के नोबल पुरस्कार प्राप्तकर्ता श्री कैलाश सत्यार्थी, जो 'बचपन बचाओ आंदोलन' के सृजनकर्ता माने जाते हैं, का कहना है कि "बाल-श्रमिकों की पहचान के संबंध में सबसे बड़ी समस्या उम्र का निर्धारण करना है।" उनके जागरूकता अभियान के कारण अब बहुत सीमा तक लोग जानने लगे हैं कि 14 साल के बच्चे से काम कराना एक दंडनीय अपराध है। इसमें उम्र का निर्धारण कर पाना बेहद कठिन काम है। इसमें बच्चों का शोषण करने वाले लोग उनकी उम्र-सीमा 14 वर्ष से ऊपर दिखाकर कानूनी प्रक्रिया से बंधनमुक्त हो जाया करते हैं। यदि कठोर नियम बनाकर उचित कार्यवाही की जाए, तो बाल मज़दूरी के ऊपर बहुत सीमा तक लगाम लगाई जा सकती है।

(i) निम्नलिखित कथनों की सत्यता पर विचार कीजिए -

i. कैलाश सत्यार्थी नोबल पुरस्कार विजेता हैं।
ii. राजेश जोशी ने बालश्रम पर कविता लिख आधुनिक सभ्य समाज पर व्यंग्य किया है।
iii. 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से काम करवाना दंडनीय अपराध है।

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122-JH

iv. बच्चों से काम करवाने पर वे आत्मनिर्भर हो जाते हैं।

क) कथन i व iv सही हैं
ख) कथन ii व iv सही हैं
ग) कथन i, ii व iii सही हैं
घ) कथन i व iii सही हैं

(ii) राजेश जोशी की कविता का मूल आशय क्या है?

क) बचपन का चित्रण करना
ख) कवि धर्म का पालन करना
ग) सभी विकल्प सही हैं
घ) बच्चों के प्रति तत्कालीन समाज की संवेदनहीनता को व्यक्त करना

(iii) बाल श्रमिकों की पहचान के संबंध में सबसे बड़ी समस्या किसे माना गया है?

क) उम्र का निर्धारण करने को
ख) समाज में पढ़ाई को कम महत्त्व देने को
ग) विद्यालयों की सीमित संख्या को
घ) पढ़ाई के प्रति बच्चों की उदासीनता को

(iv) **बचपन बचाओ आंदोलन** का समाज पर क्या प्रभाव पड़ा?

क) लोग जानने लगे कि खेल भी बच्चों के लिए आवश्यक है।
ख) लोग जानने लगे कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से काम कराना एक अपराध है।
ग) लोग जान गए कि शिक्षा का क्या महत्त्व है।
घ) लोग जानने लगे कि बचपन जीवन का सर्वोत्तम समय है।

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-
कथन (A): कठोर नियम बनाकर उचित कार्यवाही द्वारा बालश्रम पर रोक लगाई जा सकती है।
कारण (R): राजेश जोशी ने 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता के माध्यम से समाज के उन लोगों के प्रति अपना रोष प्रकट किया है जो बच्चों को काम पर जाते हुए देखकर चुप बैठे रहते हैं।

क) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
ख) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
घ) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122,JH

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

जब एक साथ मिल कर खेलते हैं,
एक-दूसरे के दु:ख-सुख झेलते हैं;
कभी रूठते हैं, मनाते हैं,
और फिर गले लगकर मुस्कुराते हैं।
जब हम बतियाते हैं-एक हो जाते हैं
भाषा-भूषा हमें पास लाते हैं;
पर बिना शब्दों के भी जोड़ते हैं संगीत के स्वर
जिससे होंठ गुनगुनाते हैं, पाँव थिरक जाते हैं।
हम तब भी एक होते हैं,
जब प्रकृति की गोद में होते हैं।
दीन-दुनिया से परे, चैन की नींद सोते हैं,
और सुनहरे सपनों की दुनिया सँजोते हैं।
हम तब भी एक होते हैं,
जब भय से सहम जाते हैं।
अपने मन के दरवाज़े बंद भी कर लें,
पर स्वयं को दूसरे से जुड़ा पाते हैं।
एक होने का यह भाव बड़ा अजीब है,
इसी भाव में यीशु का यश, अल्लाह का ताबीज़ है।
गुरु की वाणी है, रामनाम का बीज है,
यह परंपरा और संस्कृति की चीज़ है।
जब एक साथ मिल कर खेलते हैं,
एक-दूसरे के दु:ख-सुख झेलते हैं;

(i) काव्यांश में स्पष्ट किया गया है -

i. एक साथ मिलकर खेलने पर सब प्रसन्न हो जाते हैं।
ii. एक - दूसरे का सुख - दुःख झेलने पर सब हर्षित हो जाते हैं।
iii. हँसकर सब एक - दूसरे को गले लगाते हैं।
iv. एक - दूसरे से रूठने पर सब अलग हो जाते हैं।

क) कथन i, ii व iii सही हैं
ख) कथन ii व iii सही हैं
ग) कथन i, ii व iv सही हैं
घ) कथन i व iv सही हैं

(ii) भूषा का अर्थ है

क) शोभा
ख) वेश-भूषा
ग) चारा-भूसा
घ) सजावट

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122-JH

(iii) संगीत के स्वर बजने पर क्या होता है?

क) होंठ गुनगुनाते और पाँव थिरकते हैं
ख) कर्त्तव्य के प्रति सजग होते हैं
ग) मन के दरवाज़े खुलते हैं
घ) हम सब मन से जुड़ जाते हैं

(iv) 'सुनहरे सपनों की दुनिया सँजोते है' - पंक्ति में अलंकार है -

क) यमक
ख) रूपक
ग) अनुप्रास
घ) श्लेष

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): विभिन्न धर्म और सम्प्रदायों में बंटा होने पर भी सभी धर्म उसे सुख - दुःख में साथ रहने का सन्देश देते हैं।
कथन (R): एक होने के भाव अजीब हैं क्योंकि हम सभी का मान करते हैं।

क) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।
ख) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

3. **निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** [4]

(i) **उनकी नज़र मेरी ओर उठते ही मेरे प्राण निकले।** - इसका संयुक्त वाक्य बनेगा: [1]

क) उनकी नज़र मेरी ओर उठी और मेरे प्राण निकले।
ख) जब उनकी नज़र मेरी ओर उठी तब मेरे प्राण निकले।
ग) उनकी नज़र मेरी ओर उठी नहीं कि मेरे प्राण निकले।
घ) जैसे ही उनकी नज़र मेरी ओर उठी वैसे ही मेरे प्राण निकले।

(ii) निम्न में से मिश्र वाक्य है- [1]

i. हम खाना खा रहे हैं।
ii. वह कौन-सा व्यक्ति है जिसने महात्मा गांधी का नाम न सुना हो।
iii. वह महात्मा है लेकिन अहंकारी है।
iv. तुम कहाँ जा रहे हो?

क) विकल्प (ii)
ख) विकल्प (i)

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122,JH

ग) विकल्प (iii) घ) विकल्प (iv)

(iii) **उन्होंने मुझे गले से लगा लिया और मैं भावुक हो गया।** रचना की दृष्टि से यह कैसा वाक्य है? [1]

क) सरल वाक्य
ख) साधारण वाक्य
ग) मिश्र वाक्य
घ) संयुक्त वाक्य

(iv) पिताजी चाय पिएंगे या कॉफ़ी - रचना के आधार पर कौन से प्रकार का वाक्य है ? [1]

क) संयुक्त वाक्य
ख) मिश्र वाक्य
ग) सरल वाक्य
घ) क्रिया विशेषण

(v) निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य का उदाहरण कौन-सा है? [1]

क) बालगोबिन लंबी दाढ़ी नहीं रखते थे परंतु हमेशा उनका चेहरा सफ़ेद बालों से जगमग रहता।
ख) इस रेखाचित्र की एक विशेषता यह है कि बालगोबिन भगत के माध्यम से ग्रामीण जीवन की सजीव झाँकी देखने को मिलती है।
ग) वेशभूषा या बाह्य अनुष्ठानों से कोई संन्यासी नहीं होता।
घ) वह विशिष्ट शैलीकार हैं इसलिए उन्हें 'कलम का मज़दूर' कहा जाता है।

4. **निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** [4]

(i) निम्नलिखित वाक्यों में से कौन-सा वाक्य भाववाच्य का उदाहरण है? [1]

क) उनके द्वारा बाल मनोविज्ञान को बिंबों में उतारा गया।
ख) कवि ने कविता में अनेक बिंब प्रस्तुत किए।
ग) फ़सल कविता में सहयोग की भावना को चित्रित किया गया है।
घ) उससे कैसे दौड़ा जाएगा?

(ii) वाच्य के कितने प्रकार हैं ? [1]

क) तीन
ख) चार
ग) एक
घ) दो

(iii) दादाजी प्रतिदिन पार्क में टहलते हैं। भाववाच्य में बदलिए। [1]

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122.JH

क) दादाजी के द्वारा पार्क में प्रतिदिन टहला जाता है।
ख) दादाजी से प्रतिदिन पार्क में टहला नहीं जाता।
ग) दादाजी से प्रतिदिन पार्क में टहला गया।
घ) दादाजी प्रतिदिन पार्क में टहलने जाते थे।

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में से कौन-सा भाववाच्य है? **[1]**

i. वह अब भी बैठ नहीं सकता।
ii. उससे अब भी बैठा नहीं जाता।
iii. मनुष्य द्वारा आग का आविष्कार किया गया।
iv. चमगादड़ रात में नहीं सोते हैं।

क) विकल्प (i)
ख) विकल्प (iii)
ग) विकल्प (iv)
घ) विकल्प (ii)

(v) निम्नलिखित में से कौन-सा भाववाच्य का सही विकल्प नहीं है? **[1]**

i. राहुल से पत्र लिखा जाता है।
ii. उससे अब रहा नहीं गया।
iii. पक्षी आकाश में उड़ रहे हैं।
iv. मीना से भागा नहीं जाता।

क) विकल्प (iv)
ख) विकल्प (ii)
ग) विकल्प (i)
घ) विकल्प (iii)

5. **निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) बालगोबिन भगत की संगीत-साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया **जब** उनका बेटा मरा। रेखांकित पद का परिचय है: **[1]**

क) अव्यय, क्रियाविशेषण, स्थानवाचक, 'मरा' क्रिया का विशेषण।
ख) अव्यय, क्रियाविशेषण, सार्वनामिक, 'मरा' क्रिया का विशेषण।
ग) अव्यय, क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'मरा' क्रिया का विशेषण।
घ) अव्यय, क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'मरा' क्रिया का विशेषण।

(ii) **वेद व्यास जी ने** महाभारत लिखी रेखांकित पद का परिचय है- **[1]**

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122.JH

क) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(iii) इस व्यक्ति का सिर बेड़ौल-**<u>सा</u>** है रेखांकित पद का परिचय है- [1]

क) निपात, निषेधात्मक

ख) निपात, अवधारणबोधक

ग) निपात, तुलनाबोधक

घ) निपात, प्रश्नबोधक

(iv) **<u>दुष्ट</u>** आदमी पाप ही करता है। वाक्य में रेखांकित पद का पद-परिचय बताइए। [1]

क) सर्वनाम, पुरुषवाचक सर्वनाम

ख) इनमें से कोई नहीं

ग) विशेषण, गुणवाचक विशेषण

घ) क्रिया-विशेषण, रीतिवाचक क्रिया विशेषण

(v) अपने गाँव की मिट्टी **<u>छूने</u>** के लिए मैं तरस गया। रेखांकित पद का परिचय है: [1]

क) सर्वनाम, उत्तमपुरुष, पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यम पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यम पुरुष, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

6. **निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** [4]

(i) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में अलंकार है: [1]
चारु चंद्र की चंचल किरणें
खेल रही हैं जल-थल में

क) उत्प्रेक्षा

ख) श्लेष

ग) अतिशयोक्ति

घ) मानवीकरण

(ii) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए- [1]
उषा सुनहरे तीर बरसाती, जय लक्ष्मी-सी उदित हुई।

क) रूपक अलंकार

ख) मानवीकरण अलंकार

ग) अनुप्रास अलंकार

घ) उपमा अलंकार

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122,JH

(iii) संदेसनि मधुवन-कूप भरे। [1]
पंक्ति में कौन-सा अलंकार है-

क) श्लेष
ख) अतिश्योक्ति
ग) उपमा
घ) यमक

(iv) **हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आग**
लंका सिगरी जल गई गए निसाचर भाग [1]
इस दोहे में निहित अलंकार है-

क) उत्प्रेक्षा
ख) मानवीकरण
ग) श्लेष
घ) अतिशयोक्ति

(v) **बीच में अलसी हठीली, देह की पतली, कमर की है लचीली।** पंक्ति में कौन-सा अलंकार है? [1]

क) अनुप्रास अलंकार
ख) मानवीकरण अलंकार
ग) रूपक अलंकार
घ) उत्प्रेक्षा अलंकार

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** [5]

जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे, और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्त्व मूर्ति के रंग-रूप या कद का नहीं, उस भावना का है; वरना तो देशभक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है। दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुज़रे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है।

(i) हालदार साहब अंत में किस निष्कर्ष पर पहुँचे?
i. मूर्ति पर संगमरमर के चश्मे के न होने पर रियल चश्मा लगाने का प्रयास सराहनीय था।
ii. चौराहे पर मूर्ति का लगाना कस्बे के नागरिकों का ठीक प्रयास नहीं था।
iii. चौराहे पर लगी मूर्ति बेहद सुंदर लग रही थी।
iv. मूर्ति पर लगा चश्मा उपयुक्त नहीं लग रहा था।

क) विकल्प (iv)
ख) विकल्प (i)
ग) विकल्प (iii)
घ) विकल्प (ii)

(ii) महत्त्व मूर्ति के रंग-रूप या कद का नहीं बल्कि ________ का है।

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122.JH

क) उसमें निहित भावना। ख) उसे बनाने में खर्च हुए पैसों।

ग) उससे मिलने वाली प्रेरणा। घ) उसके संदेश।

(iii) देश-भक्ति आजकल होती जा रही है

क) दुर्लभ ख) राजनीति

ग) मज़ाक की चीज़ घ) दिखावा

(iv) दूसरी बार हालदार साहब ने मूर्ति में क्या अंतर पाया?

क) मूर्ति थोड़ी टूट गई है। ख) इनमें से कोई नहीं।

ग) मूर्ति का रंग उतर गया है। घ) मूर्ति का चश्मा दूसरा है।

(v) **वाह भई ! क्या आइडिया है** - हालदार साहब ने क्यों कहा?

क) मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती, पर चश्मा तो बदल ही सकती है। ख) मूर्ति के कपड़े बदलना सरल नहीं है, पर चश्मा बदलना बहुत आसान।

ग) जब मूर्ति के कपड़े बदले जा सकते हैं, तो चश्मा क्यों नहीं। घ) मूर्ति का रंग-रूप नहीं बदला जा सकता, पर चश्मा बदला जा सकता है।

8. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-** **[2]**

(i) **एक कहानी यह भी** पाठ में पिताजी बच्चों से किस विषय में बातें करना पसंद नहीं करते थे? **[1]**

क) बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के बारे में ख) घर में आने वाले लोगों के बारे में

ग) घर की गरीबी के बारे में घ) माताजी की कार्यशैली के बारे में

(ii) **लखनवी अंदाज़** पाठ में नवाब साहब ने खिड़की से बाहर देखकर दीर्घ निश्वास क्यों लिया? **[1]**

i. खिड़की के बाहर का प्राकृतिक सौन्दर्य बहुत मनमोहक लगा।
ii. वे अभी खिड़की के बाहर खीरा फेंकने वाले थे जिसका उन्हें अफसोस हो रहा था।
iii. खिड़की के बाहर उड़ती धूल-मिट्टी खीरे को खराब न कर दे।
iv. उन्हें डर था कि लेखक उनकी खीरे की फाँकों को उठाकर बाहर न फेंक दे।

क) विकल्प (iii) ख) विकल्प (i)

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122.JH

ग) विकल्प (iv) घ) विकल्प (ii)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।
इहाँ कुम्हड़बतिआ कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कुछु कहहु सहौं रिस रोकी।।
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।
बधें पापु अपकी रति हारें। मारतहू पर परिअ तुम्हारें।।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। व्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।

(i) लक्ष्मण ने परशुराम को क्या कहा?

क) आप फूँक से ही पहाड़ उड़ाना चाहते हैं
ख) आप स्वयं को बड़ा योद्धा मानते हैं
ग) बार-बार मुझे फरसा दिखाते हैं
घ) सभी विकल्प सही हैं

(ii) काव्यांश के आधार पर बताइए कि रघुकुल के व्यक्ति किस पर अपनी वीरता का प्रदर्शन नहीं करते?

क) सभी विकल्प सही हैं
ख) ब्राह्मण
ग) देवता
घ) भगवान के भक्त

(iii) **भृगुसुत** किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

क) मुनि विश्वामित्र के लिए
ख) परशुराम के लिए
ग) लक्ष्मण के लिए
घ) राजा जनक के लिए

(iv) काव्यांश में **कुम्हड़बतिया** शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

क) विद्वान् व्यक्तियों के लिए
ख) शक्तिशाली व्यक्तियों के लिए
ग) कमजोर व्यक्तियों के लिए
घ) कमजोर और शक्तिशाली व्यक्तियों के लिए

(v) काव्यांश के आधार पर बताइए कि कौन फूँक से ही विशाल पर्वत को उड़ा देना चाहता था?

क) विश्वामित्र
ख) राम
ग) लक्ष्मण
घ) परशुराम

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122-JH

10. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-** [2]

(i) **उत्साह** कविता अनुसार **तप्त धरा** का सांकेतिक अर्थ क्या है? [1]

क) दुखों से पीड़ित धरती   ख) सूखी धरती

ग) गर्म धरती   घ) इनमें से कोई नहीं

(ii) **संगतकार** कविता अनुसार संगतकार की आवाज में सुनाई देनी वाली को उसकी विफलता नहीं मानना चाहिए। [1]

क) दहाड़   ख) घबराहट

ग) कोमलता   घ) हिचक

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. **गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-** [6]

(i) डुमराँव और शहनाई से संबंध था-नौबतखाने में इबादत पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [2]

(ii) **संस्कृति** पाठ के अनुसार लेखक ने आग और सुई-धागे के आविष्कारों से क्या स्पष्ट किया है? [2]

(iii) अपनों का विश्वासघात मनुष्य को अधिक कचोटता है-यह कहानी यह भी पाठ के आधार पर विचार दीजिए। [2]

(iv) 'बालगोबिन भगत की मौत उन्हीं के अनुरूप हुई' कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। [2]

12. **पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-** [6]

(i) गोपियों को कृष्ण में ऐसे कौन-से परिवर्तन दिखाई दिए, जिनके कारण वे अपना मन वापस पा लेने की बात कहती हैं ? [2]

(ii) संगतकार कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि संगतकार जैसे व्यक्ति सर्वगुण संपन्न होकर भी समाज में आगे न आकर प्रायः पीछे हो क्यों रहते हैं? [2]

(iii) **आत्मकथ्य** काव्य में **मधुप** किसका प्रतीक है? वह किस तरह कहानी सुना रहा है? [2]

(iv) फसल मिट्टी का गुण धर्म कैसे है? [2]

13. **पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-** [8]

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122.JH

(i) **मैं क्यों लिखता हूँ?** पाठ के अनुसार लेखक को अणु-बम के विस्फोट से जीव-नाश का अनुभव पहले भी हुआ था। कैसे? **[4]**

(ii) देश की सीमा पर बैठे फौजी किस तरह की कठिनाइयों से जूझते हैं? उनके प्रति हमारा क्या उत्तरदायित्व होना चाहिए? **[4]**

(iii) माता का अँचल पाठ में बच्चों की जो दुनिया रची गई है वह आपके बचपन की दुनिया से किस तरह भिन्न है? **[4]**

14. **स्वरोज़गार : आत्मनिर्भरता की सीढ़ी** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

- स्वरोज़गार का अर्थ
- समय की माँग
- युवा प्रतिभाओं को निखरने का मौका

अथवा

बस्ते का बढ़ता बोझ विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

- बोझ क्यों बढ़ रहा है?
- हानियाँ
- कैसे हो कम

अथवा

कमरतोड़ महँगाई विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

15. अपने क्षेत्र में सार्वजनिक पुस्तकालय खुलवाने की आवश्यकता समझाते हुए दिल्ली के शिक्षा-मंत्री के नाम एक पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

पटाखों से होने वाले प्रदूषण के प्रति ध्यान आकर्षित करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

16. साथी नामक स्वयंसेवी संस्था जो आलमबाग, लखनऊ, उ० प्र० में स्थित है को कुछ स्वयंसेवियों की जरूरत है, जिन्हें निकटवर्ती बस्तियों एवं गाँवों में लोगों के बीच एड्स के प्रति जागरूकता फैलाना है। इस संस्था के प्रबंधक को एक स्ववृत सहित आवेदन-पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आपका नाम मानव/मानवी है। आपने ऑनलाइन टेलीविज़न खरीदा है और अब आप उसके लिए विस्तारित आश्वासन (एक्सटैंडिड वारंटी) की सुविधा प्राप्त करना चाहते हैं। इस संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने हेतु कंपनी के ई-मेल पते पर लगभग 100 शब्दों में ई-मेल लिखिए।

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122-JH

17. शॉपिंग मॉल में आपकी दुकान है, जिसे आप किराए पर देना चाहते हैं। उसके लिए एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

नववर्ष की शुभकामना देते हुए 30-40 शब्दों में एक संदेश लिखिए।

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122 JH

Solutions

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

बाल मज़दूरी हमारे देश के लिए एक अक्षम्य अपराध है। देश में आज न जाने कितने बच्चे बाल मज़दूरी कर रहे हैं, क्या उन्हें हमारी तरह जीने का अधिकार नहीं है? राजेश जोशी ने बड़े ही मार्मिक तरीके से 'बाल-श्रमिक' के ऊपर करुण रस की कविता लिखी है। उनका कहना है 'बच्चे काम पर जा रहे हैं सुबह-सुबह' अर्थात् पढ़ाई-लिखाई छोड़कर बच्चे मज़दूरी करने काम पर जा रहे हैं। क्या उनके जीवन में खेल का मैदान नहीं है? क्या उनके लिए पुस्तकालय और पाठशाला नहीं हैं? इस तरह के भाव-बोध और पीड़ा-बोध से रचित राजेश जोशी की कविता आधुनिक सभ्य समाज के ऊपर एक प्रकार का व्यंग्य भी प्रस्तुत करती है।

वैश्विक स्तर पर शांति के लिए वर्ष 2014 के नोबल पुरस्कार प्राप्तकर्ता श्री कैलाश सत्यार्थी, जो 'बचपन बचाओ आंदोलन' के सृजनकर्ता माने जाते हैं, का कहना है कि "बाल-श्रमिकों की पहचान के संबंध में सबसे बड़ी समस्या उम्र का निर्धारण करना है।" उनके जागरूकता अभियान के कारण अब बहुत सीमा तक लोग जानने लगे हैं कि 14 साल के बच्चे से काम कराना एक दंडनीय अपराध है। इसमें उम्र का निर्धारण कर पाना बेहद कठिन काम है। इसमें बच्चों का शोषण करने वाले लोग उनकी उम्र-सीमा 14 वर्ष से ऊपर दिखाकर कानूनी प्रक्रिया से बंधनमुक्त हो जाया करते हैं। यदि कठोर नियम बनाकर उचित कार्यवाही की जाए, तो बाल मज़दूरी के ऊपर बहुत सीमा तक लगाम लगाई जा सकती है।

(i) **(ग)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

(ii) **(क)** बचपन का चित्रण करना
व्याख्या: राजेश जोशी की कविता का मूल आशय बच्चों के प्रति तत्कालीन समांज की संवेदनहीनता को व्यक्त करना है। वह कैसा समाज है, जो अपने बच्चों के लिए पुस्तकालय, खेल का मैदान, पाठशाला उपलब्ध नहीं करा पा रहा है।

(iii) **(क)** उम्र का निर्धारण करने को
व्याख्या: गद्यांश में बताया गया है कि कैलाश सत्यार्थी के अनुसार बाल श्रमिकों की पहचान के संबंध में सबसे बड़ी समस्या उम्र का निर्धारण करना है।

(iv) **(ख)** लोग जानने लगे कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से काम कराना एक अपराध है।
व्याख्या: गद्यांश के आधार पर कह सकते हैं कि 'बचपन बचाओ आंदोलन' का समाज पर यह सकारात्मक प्रभाव पड़ा कि अधिकांश लोग इस तथ्य से अवंगत हो गए कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से काम कराना एक अपराध है।

(v) **(ग)** कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122,JH

जब एक साथ मिल कर खेलते हैं,
एक-दूसरे के दु:ख-सुख झेलते हैं;
कभी रूठते हैं, मनाते हैं,
और फिर गले लगकर मुस्कुराते हैं।
जब हम बतियाते हैं-एक हो जाते हैं
भाषा-भूषा हमें पास लाते हैं;
पर बिना शब्दों के भी जोड़ते हैं संगीत के स्वर
जिससे होंठ गुनगुनाते हैं, पाँव थिरक जाते हैं।
हम तब भी एक होते हैं,
जब प्रकृति की गोद में होते हैं।
दीन-दुनिया से परे, चैन की नींद सोते हैं,
और सुनहरे सपनों की दुनिया सँजोते हैं।
हम तब भी एक होते हैं,
जब भय से सहम जाते हैं।
अपने मन के दरवाज़े बंद भी कर लें,
पर स्वयं को दूसरे से जुड़ा पाते हैं।
एक होने का यह भाव बड़ा अजीब है,
इसी भाव में यीशु का यश, अल्लाह का ताबीज़ है।
गुरु की वाणी है, रामनाम का बीज है,
यह परंपरा और संस्कृति की चीज़ है।
जब एक साथ मिल कर खेलते हैं,
एक-दूसरे के दु:ख-सुख झेलते हैं;

(i) **(क)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

(ii) **(ख)** वेश-भूषा
व्याख्या: प्रस्तुत काव्यांश में भूषा का अर्थ वेश-भूषा है। जिस प्रकार भाषा मनुष्य को परस्पर जोड़ती है, उसी प्रकार वेश-भूषा मनुष्यों के बीच अपनत्व का संबंध स्थापित करती है।

(iii) **(घ)** हम सब मन से जुड़ जाते हैं
व्याख्या: कवि कहना चाहता है कि संगीत भी हमें जोड़ने का कार्य करता है अर्थात् संगीत के माध्यम से हम एक-दूसरे के मनोंभावों को समझ लेते हैं और हम सब मन से आपस में जुड़ जाते हैं।

(iv) **(क)** यमक
व्याख्या: प्रस्तुत पंक्ति में 'स' वर्ण की आवृत्ति के कारण अनुप्रास अलंकार है।

(v) **(घ)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122,JH

(i) **(क)** उनकी नज़र मेरी ओर उठी और मेरे प्राण निकले।
व्याख्या: उनकी नज़र मेरी ओर उठी और मेरे प्राण निकले।

(ii) **(क)** विकल्प (ii)
व्याख्या: वह कौन-सा व्यक्ति है जिसने महात्मा गांधी का नाम न सुना हो।

(iii) **(घ)** संयुक्त वाक्य
व्याख्या: संयुक्त वाक्य

(iv) **(क)** संयुक्त वाक्य
व्याख्या: ये संयुक्त वाक्य का उदाहरण है क्योंकि इसमें दोनों ही वाक्य पूर्ण अर्थ लिए हुए हैं।

(v) **(ख)** इस रेखाचित्र की एक विशेषता यह है कि बालगोबिन भगत के माध्यम से ग्रामीण जीवन की सजीव झाँकी देखने को मिलती है।
व्याख्या: इस रेखाचित्र की एक विशेषता यह है कि बालगोबिन भगत के माध्यम से ग्रामीण जीवन की सजीव झाँकी देखने को मिलती है।

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** उससे कैसे दौड़ा जाएगा?
व्याख्या: उससे कैसे दौड़ा जाएगा?

(ii) **(क)** तीन
व्याख्या: वाच्य के तीन भेद होते हैं -
कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाववाच्य

(iii) **(क)** दादाजी के द्वारा पार्क में प्रतिदिन टहला जाता है।
व्याख्या: दादाजी के द्वारा पार्क में प्रतिदिन टहला जाता है।

(iv) **(घ)** विकल्प (ii)
व्याख्या: उससे अब भी बैठा नहीं जाता।

(v) **(घ)** विकल्प (iii)
व्याख्या: पक्षी आकाश में उड़ रहे हैं।

5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** अव्यय, क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'मरा' क्रिया का विशेषण।
व्याख्या: अव्यय, क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'मरा' क्रिया का विशेषण।

(ii) **(ग)** व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक
व्याख्या: व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(iii) **(क)** निपात, निषेधात्मक
व्याख्या: निपात, निषेधात्मक

(iv) **(ग)** विशेषण, गुणवाचक विशेषण
व्याख्या: विशेषण, गुणवाचक विशेषण

(v) **(क)** सर्वनाम, उत्तमपुरुष, पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक।
व्याख्या: सर्वनाम, उत्तमपुरुष, पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक।

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122.JH

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
   (i) **(घ)** मानवीकरण
   व्याख्या: मानवीकरण
   (ii) **(ख)** मानवीकरण अलंकार
   व्याख्या: मानवीकरण अलंकार
   (iii) **(ख)** अतिश्योक्ति
   व्याख्या: अतिश्योक्ति अलंकार
   (iv) **(घ)** अतिशयोक्ति
   व्याख्या: अतिशयोक्ति
   (v) **(ख)** मानवीकरण अलंकार
   व्याख्या: मानवीकरण अलंकार

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
   जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे, और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्त्व मूर्ति के रंग-रूप या कद का नहीं, उस भावना का है; वरना तो देशभक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है। दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुज़रे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है।
   (i) **(ख)** विकल्प (i)
   व्याख्या: मूर्ति पर संगमरमर के चश्मे के न होने पर रियल चश्मा लगाने का प्रयास सराहनीय था।
   (ii) **(क)** उसमें निहित भावना।
   व्याख्या: उसमें निहित भावना।
   (iii) **(ग)** मज़ाक की चीज़
   व्याख्या: मज़ाक की चीज़
   (iv) **(घ)** मूर्ति का चश्मा दूसरा है।
   व्याख्या: मूर्ति का चश्मा दूसरा है।
   (v) **(क)** मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती, पर चश्मा तो बदल ही सकती है।
   व्याख्या: मूर्ति के कपड़े बदलना सरल नहीं है, पर चशमा बदलना बहुत आसान।

8. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-
   (i) **(ग)** घर की गरीबी के बारे में
   व्याख्या: घर की गरीबी के बारे में
   (ii) **(घ)** विकल्प (ii)
   व्याख्या: वे अभी खिड़की के बाहर खीरा फेंकने वाले थे जिसका उन्हें अफसोस हो रहा था।

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122,JH

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।
इहाँ कुम्हड़बतिआ कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कुछु कहहु सहौं रिस रोकी।।
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।
बधें पापु अपकी रति हारें। मारतहू पर परिअ तुम्हारें।।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। व्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।
(i) **(घ)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: सभी विकल्प सही हैं
(ii) **(क)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: सभी विकल्प सही हैं
(iii) **(ख)** परशुराम के लिए
व्याख्या: परशुराम के लिए
(iv) **(ग)** कमजोर व्यक्तियों के लिए
व्याख्या: कमजोर व्यक्तियों के लिए
(v) **(घ)** परशुराम
व्याख्या: परशुराम

10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-
(i) **(क)** दुखों से पीड़ित धरती
व्याख्या: गर्मी से तप्त धरा दुखों से पीड़ित धरती की ओर संकेत करती है। जिस प्रकार धरती गर्मी से जलती है और धरती के लोग भी शोषण से पीड़ित हैं।
(ii) **(घ)** हिचक
व्याख्या: हिचक

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-
(i) डुमराँव गाँव की इतिहास में कोई विशेष पहचान नहीं रही है पर फिर भी वह एक विशेष स्थान के रूप में प्रसिद्द है | भारतरत्न पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्द शहनाई वादक बिस्मिल्ला खां का जन्म इसी स्थान पर हुआ था | शहनाई के लिए नरकट की आवश्यकता पड़ती है और यह नरकट इस गाँव में सोन नदी के किनारे विशेष रूप से पाया जाता है। इस तरह शहनाई और डुमराँव एक-दूसरे के पूरक हो गए।
(ii) लेखक ने आग और सुई-धागे के उदाहरण से स्पष्ट किया है कि व्यक्ति की एक चीज़ है आविष्कार कर सकने की शक्ति और दूसरी चीज़ है आग और सुई धागे का आविष्कार। जिस

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122,JH

योग्यता, प्रवृत्ति या प्रेरणा के बल पर आग का और सुई धागे का आविष्कार हुआ वह व्यक्ति विशेष की संस्कृति और जिस चीज़ का आविष्कार हुआ वह सभ्यता है। इस तरह लेखक ने संस्कृति और सभ्यता के अंतर को स्पष्ट करने और समझने का प्रयास किया है।

(iii) अपनों के द्वारा दिए गए विश्वासघात की चोट शरीर पर न लगकर सीधे हृदय पर लगती है, इस चोट को मनुष्य आजीवन नहीं भूल पाता । शत्रु से सावधान रहने की सीख तो मनुष्य को सबसे मिल जाती है पर अपनों के द्वारा विश्वासघात करने से नई संस्कृति का जन्म होता है, इससे प्रत्येक व्यक्ति सबके प्रति सशंकित और कुंठित रहता है। वह एकाकी जीवन जीने के लिए विवश हो जाता है। ऐसी स्थिति में उसमें अविश्वास की भावना जन्म लेती है।

(iv) प्रायः मनुष्य के मन में अपने जीवन के अंत तक एक चिंता बनी रहती है कि बुढ़ापे में उसके दिन कैसे कटेंगे परन्तु भगत के मन में इस प्रकार के विचार कभी भी नहीं आए | बुढ़ापे में भी उनके नेम-व्रत, संध्या-स्नान चलते ही रहे | खेती का काम करना, दोनों वक्त नियम से गीत ध्यान करना उन्होंने कभी नहीं छोड़ा | बुखार आने पर भी गंगा स्नान के लिए गए | यहाँ तक कि अपने अंत समय में भी उन्होंने संध्या समय कबीर के पद गाए और अपने पंजर को छोड़ कर चले गए | इस प्रकार मृत्यु का भय भी उन्हें अपने कर्मों से विचलित नहीं कर पाया | अतः यह कहना उचित है कि उनकी मृत्यु उनके ही अनुरूप हुई |

12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) मथुरा जाने से कृष्ण की सोच में बहुत परिवर्तन आ गया है | वे हमें प्रेम का मार्ग छोड़ योग के मार्ग का संदेश दे रहे हैं। मथुरा जाकर वे कुशल राजनीतिज्ञ बन गये और हम पर राजनीति कर रहे हैं। आप तो आते नहीं और हमें योग सीखने को कह रहे हैं। नीति की अपेक्षा,अनीति का सहारा लेकर हम से दूर हो रहे हैं। इसलिए गोपियाँ अपना मन वापस मांग रही है।

(ii) 'संगतकार' प्रवृत्ति के लोग छल-प्रपंच से दूर, श्रद्धा के धनी होते हैं। वे मुख्य कलाकार के सहयोगी होते हैं। अपने प्रति विश्वास को खत्म नहीं करना चाहते हैं। मुख्य कलाकार को धोखा देना अपनी प्रवृत्ति के अनुसार पाप समझते हैं। अपने मुख्यकलाकार के साथ छल-प्रपंच करके आगे निकलना अनुचित समझते हैं। वे अपनी परोपकार और त्याग की भावना के कारण पीछे ही बने रहते हैं। संगतकार जैसे लोगों से ही समाज में परोपकार की भावना जागृत होती है। यह अपने मुख्य गायक का साथ निस्वार्थ भाव से देते रहते हैं।

(iii) 'आत्मकथ्य काव्य' में 'मधुप' मन का प्रतीक है। कवि का मन भी भौरे के समान ही यहाँ-वहाँ उड़कर पहुँच जाता है। यह मन रूपी मधुप कवि के जीवन की भूली-बिसरी घटनाओं की याद दिला रहा है, जिससे लगता है कि वह कहानी सुना रहा है।

(iv) मिट्टी ही फसल का मूल आधार है। मिट्टी के गुण-धर्म का आशय है-मिट्टी में मिले हुए प्राकृतिक तत्व, खनिज पदार्थ और पोषक तत्व जिनके मेल से किसी मिट्टी का स्वरूप अन्य मिट्टियों से विशेष हो जाता है। किसी भी फसल की उपज मिट्टी के उपजाऊ होने पर निर्भर करती है। मिट्टी,अपने रस से बीज को अंकुरित कर उसका पोषण कर फसल के रूप में तैयार करती है। वह जननी के रूप में सृजन का कार्य करती है।

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122,JH

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-

(i) एक बार लेखक ने युद्धकाल में भारत की पूर्वी सीमा पर देखा था कि सैनिक ब्रहमपुत्र में बम फेंककर हजारों मछलियाँ मार देते थे जबकि आवश्यकता उन्हें थोड़ी-सी मछली की होती थी। जीव के इस अपव्यय से जो व्यथा लेखक के भीतर उमड़ी थी, उससे एक सीमा तक अणु-बम द्वारा हुए व्यर्थ जीव नाश का अनुभव लेखक कर सका था।

(ii) देश की सीमा पर बैठे सैनिक मुख्यतः सियाचिन ग्लैशियर में तैनाती होने पर वहाँ की विपरीत मौसम वाली चुनौतीपूर्ण कठिनाइयों से जूझते हैं। इस प्रकार की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अपने स्थान पर डटे रहते हैं और हर एक परिस्थिति में देश की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। वे देश की रक्षा करते हैं और इसी कारण से देश के भीतर हम पूर्णतः सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत कर पाते हैं।

इसलिए उनके प्रति हमारा काफी दायित्व बनता हैं। जिस प्रकार से वे हमारे देश एवं हमारी सुरक्षा में तत्पर रहते हैं उसी प्रकार से हमें भी उनकी मदद के लिए तत्पर रहना चाहिए और देश के प्रति अपने कर्तव्यों को ईमानदारी एवं तत्परता से निभाना चाहिए।

(iii) इस पाठ में बच्चों की जो दुनिया ग्रामीण जीवन पर आधारित है। ग्रामीण परिवेश में चारों ओर उगी फसलें, उनके दूधभरे दाने चुगती चिड़ियाँ, बच्चों द्वारा उन्हें पकड़ने का असंभव प्रयास, उन्हें उड़ाना, माता द्वारा बलपूर्वक बच्चे को तेल लगाना, चोटी बांधना, कन्हैया बनाना, साथियों के साथ मस्तीपूर्वक खेलना, आम के बाग में वर्षा में भीगना, बिच्छुओं का निकलना, मूसन तिवारी को चिढ़ाना, चूहे के बिल में पानी डालने की कोशिश के वक्त अचानक से शर्प का निकल आना और बच्चे का भागते हुए पिता की जगह माँ के आँचल में छिप जाना।

यह सब हमारे अथवा वर्तमान दौर के किसी भी शिशु के जीवन से बिलकुल भिन्न है। वर्तमान में अधिकाँश माँ-बाप नौकरी करते हैं। और इसी कारण से उन्हें अपने बच्चों के साथ वक्त बिताने का समय नहीं मिलता। आज छोटी से उम्र के बच्चों को उस उम्र में जब उन्हें अपने माता-पिता के साथ वक्त बिताना चाहिए, अपने नन्हें साथियों के साथ खेलना चाहिए, उन्हें उस उम्र में स्कूल में धकेल दिया जाता है। बच्चे क्रिकेट, वॉलीबॉल, कंप्यूटर गेम, वीडियो गेम, लूडो आदि खेलते हैं। जिस धूल में खेलकर ग्रामीण बच्चे बड़े होते हैं तथा मजबूत बनते हैं। उससे इन बच्चों का कोई मतलब नहीं होता है। आज बच्चे टी-वी-, वीडियो देखकर अपनी शाम तथा समय बिताते हैं।

14. स्वरोज़गार का अर्थ है अपनी व्यक्तिगत क्षमताओं और प्रेरणाओं के आधार पर आत्मनिर्भरता से रोजगार बनाना। यह एक प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति अपने नौकरी के लिए निर्भरता कम करता है और अपनी आत्मनिर्भरता के साथ विभिन्न व्यवसायों या उद्यमिता के माध्यम से अपने आत्मा का अभिव्यक्ति करता है।

आज के समय में, समय की माँग बढ़ चुकी है और इससे युवा पीढ़ी भी जल्दी रोजगार प्राप्त करने के लिए उत्सुक हैं। युवाओं के पास विभिन्न प्रतिभाएं, कौशल्य और उद्यमिता होती हैं, जो उन्हें स्वरोज़गार के लिए अद्वितीय मौके प्रदान करती हैं।

स्वरोज़गार एक ऐसा मौका है जो युवाओं को उनके प्रतिभा और कौशल्यों का सही उपयोग करने के लिए प्रेरित करता है। इसमें उन्हें अपने विचारों को व्यक्त करने, विभिन्न क्षेत्रों में अपना व्यवसाय शुरू करने और स्वतंत्रता के साथ काम करने का अवसर मिलता है। इसके अलावा, स्वरोज़गार

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122.JH

युवाओं को समाज में आत्मनिर्भर बनाने के लिए महत्वपूर्ण और आवश्यक भूमिका निभाता है। इस तरह, स्वरोज़गार आत्मनिर्भरता की सीढ़ी बनाता है, जो युवाओं को नौकरी के लिए निर्भरता से बाहर निकालकर अपने उद्यमिता और कौशल्यों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इससे समाज में अधिक आत्मनिर्भर और सफल युवा पीढ़ी उत्पन्न होती है, जो राष्ट्रीय विकास के प्रति योगदान देती है।

अथवा

बस्ते का बढ़ता बोझ

प्रतियोगिता और दिखावे के इस युग में माता-पिता अपने बच्चों को जल्दी से जल्दी स्कूल भेज देना चाहते हैं। अब तो प्ले स्कूल के पाठ्यक्रम को छोड़ दें तो नर्सरी कक्षा से ही पुस्तकों की संख्या विषयानुसार बढ़ने लगती हैं। एक-एक विषय की कई पुस्तकें विद्यार्थियों के थैले में देखी जा सकती हैं। कुछ व्याकरण के नाम पर तो कुछ अभ्यास-पुस्तिका के नाम पर। हद तो तब हो जाती है जब शब्दकोश तक बच्चों को विद्यालय ले जाते देखा जाता है।

अभिभावकों को दिखाने के लिए पहली कक्षा से ही कंप्यूटर और सामान्य ज्ञान की पुस्तकें भी पाठ्यक्रम में लगवा दी जाती हैं। अभिभावक समझता है कि उसका बच्चा पहली कक्षा से ही कंप्यूटर पढ़ने लगा है, पर इन पुस्तकों के कारण बस्ते का बढ़ा बोझ वह नज़रअंदाज कर जाता है। भारी भरकम बस्ता उठाए विद्यालय जाते छात्रों को देखना तो अच्छा लगता है, पर इस वजन को उठाते हुए उनकी कमर झुक जाती है। वे झुककर चलने को विवश रहते हैं। इससे कम उम्र में ही उन्हें रीढ़ की हड्डी में दर्द रहने की समस्या शुरू हो जाती है। शहरी खान-पान में फास्ट फूड की अधिकता कोढ़ में खाज का काम करती है। इसका सीधा असर बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ता है और उन्हें अल्पायु में ही चश्मा लग जाता है।

बस्ते का बोझ बढ़ने के मुख्यतया दो कारण हैं-पहला यह कि अभिभावक भारी भरकम बस्ते को देखकर खुश होते हैं कि उनका बच्चा अन्य बच्चों की तुलना में ज्यादा पढ़ रहा है। दूसरा कारण हैं-प्राइवेट स्कूल के प्रबंधकों की लालची प्रवृत्ति। वे पाठ्यक्रम में अधिक से अधिक पुस्तकें शामिल करवा देते हैं, ताकि अभिभावकों से अधिक से अधिक धन वसूल कर अपनी जेबें भर सकें।

इस बोझ को कम करने की दिशा में अभिभावकों को जागरूक बनकर अपनी सोच में बदलाव लाना होगा कि, भारी बस्ते से ही अच्छी पढ़ाई नहीं होती है। इसके अलावा शिक्षण संस्थानों में प्रोजेक्टर आदि के माध्यम से पढ़ाने की व्यवस्था हो ताकि पुस्तकों की ज़रूरत कम से कम पड़े। इसके अलावा छात्रों को एक दिन में दो या तीन विषय ही पढ़ाए जाएँ, ताकि छात्रों को कम से कम पुस्तकें लानी पड़े।

अथवा

वर्तमान समय में निम्न-मध्यम वर्ग महँगाई की समस्या से त्रस्त है। महँगाई भी ऐसी, जो रुकने का नाम ही नहीं लेती, बढ़ती ही चली जा रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार का महँगाई पर कोई नियन्त्रण रह ही नहीं गया है। महँगाई बढ़ने के कई कारण हैं। उत्पादन में कमी तथा माँग में वृद्धि होना महँगाई का प्रमुख कारण है। कभी-कभी सूखा, बाढ़ तथा अतिवृष्टि जैसे प्राकृतिक प्रकोप भी उत्पादन को प्रभावित करते हैं। वस्तुओं की जमाखोरी भी महँगाई बढ़ने का प्रमुख कारण है। जमाखोरी से शुरू होती है कालाबाजारी, दोषपूर्ण वितरण प्रणाली तथा अन्धाधुन्ध मुनाफाखोरी की प्रवृत्ति। सरकारी अंकुश का अप्रभावी होना महँगाई तथा जमाखोरी को बढ़ावा देता है। सरकार अखबारों में तो महँगाई कम करने की बात करती है। पर वह भी महँगाई बढ़ाने में किसी से कम

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122.JH

नहीं है। सरकारी उपक्रम भी अपने उत्पादों के दाम बढ़ाते रहते हैं। इस जानलेवा महँगाई ने आम नागरिकों की कमर तोड़कर रख दी है। अब उसे दो जून की रोटी जुटाना तक कठिन हो गया है। पौष्टिक आहार का मिलना तो और भी कठिन हो गया है। महँगाई बढ़ने का एक कारण यह भी है कि हमारी आवश्यकताएँ तेजी से बढ़ती चली जा रही हैं, अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए हम किसी भी दाम पर वस्तु खरीद लेते हैं। इससे जमाखोरी और महँगाई को बढ़ावा मिलता है। महँगाई को सामान्य व्यक्ति की आय के सन्दर्भ में देखा जाना चाहिए। महँगाई के लिए अन्धाधुन्ध बढ़ती जनसंख्या भी उत्तरदायी है। इस पर भी नियन्त्रण करना होगा। महँगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। 80 से 100 रुपए किलो की दाल आम आदमी खरीदकर भला कैसे खा सकता है। सरकार को खाद्य महँगाई पर प्रभावी अंकुश लगाना परमावश्यक है जिससे आम आदमी को राहत मिल सके।

15. सेवा में,
माननीय शिक्षा मंत्री जी,
दिल्ली सरकार,
नई दिल्ली।
दिनांक- 22 अगस्त 20....
विषय - सार्वजनिक पुस्तकालय खोलने हेतु।
महोदय,
मैं दिल्ली शहर के पिछड़े इलाके का निवासी हूँ। यहाँ की अधिकांश जनता गरीब व अशिक्षित है। जिन बच्चों को पढ़ने का अवसर मिल रहा है, वे धनाभाव के कारण पुस्तकें, समाचार पत्र व पत्रिकाएँ पढ़ने से वंचित रह जाते हैं। इसीलिए इस क्षेत्र में एक पुस्तकालय की अत्यंत आवश्यकता है। अभी तक इस ओर किसी का ध्यान नहीं गया है। यदि आप इस इलाके में एक सार्वजनिक पुस्तकालय खोलने की व्यवस्था करा दें तो इस क्षेत्र की जनता आपकी अत्यन्त आभारी रहेगी। साथ ही साक्षरता में आपकी भागीदारी भी प्रशंसनीय रहेगी।
भवदीय,
क्षेत्रीय नागरिक,
गिरीश

अथवा

मसुदपुर विलेज,
वसंत कुंज,
नई दिल्ली।
दिनांक 13/06/20XX
प्रिय मित्र,
सस्नेह नमस्ते।
मैं कुशल हूँ, विश्वास है कि आप भी स्वस्थ होंगे। त्योहारों का समय आ रहा है अतः इस पत्र के द्वारा मैं आपको त्योहारों या अन्य खुशी के अवसर पर फोड़े जाने वाले पटाखों से होने वाले नुकसान के विषय में लिख रहा हूँ।
मित्र! पटाखों से अनेक प्रकार की खतरनाक गैसें निकलकर वायुमंडल में घुल जाती है। कार्बन-डाइ-ऑक्साइड पर्यावरण के साथ-साथ शरीर को नुकसान पहुँचाती है। ग्लोबल वार्मिंग को भी यह

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122.JH

गैस प्रभावित करती है। कार्बन मोनो ऑक्साइड जहरीली, गंधहीन गैस भी पटाखों से निकलती है, जो हृदय की माँसपेशियों को नुकसान पहुँचाती है। अनेक गैसें साँस की नली में, त्वचा में परेशानी पैदा करती हैं तथा जीव-जंतुओं को भी नुकसान पहुँचाती हैं। पटाखों से वायु प्रदूषण के अलावा ध्वनि प्रदूषण भी फैलता है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है।
इसलिए हमारी कोशिश हो कि कम-से-कम पटाखे जलाएँ। पर्वों की खुशी में अगर पेड़ लगाएँगे तो इससे पर्यावरण संतुलित रहेगा और हम स्वस्थ रहेंगे।
परिवार में सबको यथायोग्य अभिवादन।
आपका प्रिय मित्र,
राजेश गुप्ता।

16. प्रति,
प्रबंधक महोदय
'साथी' स्वयंसेवी संस्था
आलमबाग, लखनऊ (उ० प्र०)।
विषय-स्वयंसेवी की भर्ती के संबंध में।
मान्यवर,
दिनांक 05 मई, 2019 को लखनऊ से प्रकाशित 'अमर उजाला' समाचार-पत्र में छपे विज्ञापन से ज्ञात हुआ कि आपकी संस्था को एड्स के बारे जागरूकता का प्रचार-प्रसार करने के लिए स्वयं सेवियों की जरूरत है। मैंने एड्स के विषय में बहुत गहन अध्ययन किया है और इसके बारे में मुझे अत्याधिक जानकारी भी है। इसलिए इस संबंध में अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रहा है, जिसका संक्षिप्त व्यक्तिगत विवरण निम्नलिखित है-
नाम - कुलवन्त सिंह
पिता का नाम - श्री धीरज सिंह
जन्मतिथि - 19 मार्च, 1991
पता - ग्राम-रामपुर, पो०-ऊँचहरा, जनपद-उन्नाव (उ० प्र०)।
शैक्षणिक योग्यताएँ-

दसवीं कक्षा	मा० शि० प० इलाहाबाद उ० प्र०	2007	63%
बारहवीं कक्षा	मा० शि० प० इलाहाबाद उ० प्र०	2009	72%
बी.ए.	लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ	2012	66%
लोकसंपर्क में द्विवर्षीय डिप्लोमा	लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ	2014	प्रथम श्रेणी

अनुभव- 'सहयोग' संस्था में एक वर्ष का कार्यानुभव।
आशा है कि आप सेवा का अवसर प्रदान कर कृतार्थ करेंगे।
सधन्यवाद
प्रार्थी
कुलवन्त सिंह
दिनांक 08 फरवरी, 2019
संलग्न- शैक्षणिक एवं अनुभव प्रमाण-पत्रों की छायांकित प्रति।

अथवा

HELPLINE : +91-9939586130 // +91-7739650505
2ND FLOOR, SATKOUDI COMPLEX, THANA CHOWK, RAMGARH - 829122.JH

From : rsp@gmail.com
To : tsr1994@gmail.com
CC ...
BCC ...
विषय: विस्तारित आश्वासन (एक्सटेंडेड वारंटी) हेतु जानकारी अनुरोध
माननीय महोदय,
मैं मानव/मानवी हूँ, और मैंने हाल ही में आपकी कंपनी से ऑनलाइन टेलीविज़न खरीदा है। मुझे अब अपने खरीदे गए उत्पाद के लिए विस्तारित आश्वासन (एक्सटैंडिड वारंटी) की सुविधा चाहिए। कृपया मुझे इस संबंध में विस्तृत जानकारी और आवश्यक दस्तावेज प्रदान करें। आपकी मदद के लिए मैंने आपके निम्नलिखित ई-मेल पते पर संदेश भेजा है।
धन्यवाद,
मानव/मानवी

17.

दुकान किराए पर उपलब्ध है

रोड नंबर 4 पर बनासा शॉपिंग मॉल में पहली मंजिल पर दुकान किराए पर उपलब्ध है।
खुदरा और थोक विक्रेता सबके लिए उपलब्ध।
पार्किंग की उचित व्यवस्था।
इच्छुक व्यक्ति शीघ्र ही नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करें-
चौधरी
123456XXXX

अथवा

संदेश

दिनांक: 31 दिसंबर, 2020
समय: रात्रि 12:01 बजे
प्रिय गोविन्द
नव वर्ष की पावन बेला में मेरी यही शुभकामनाएँ है कि प्रत्येक दिन आपके जीवन में एक शुभ संदेश लेकर आए। आपको व आपके परिवार को मेरी ओर से नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।
आपका परम मित्र
गिरीश